MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:30 SEPTEMBER. 2025

एमसीयू में एआई और डीपफेक विषय पर मास्टर क्लास और कार्यशाला आयोजित

समाज के लिए 'एआई लिटरेसी' आवश्यक : प्रत्यूष रंजन

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

कई लोगों का मानना है कि आने वाले समय में एआई का प्रभाव हमारे समाज और जीवन पर पड़ेगा। जबकि वास्तविकता यह है कि एआई हमारे बीच में अपनी पैठ बना चुका है और वह रोज खुद को अपडेट भी कर रहा है। जब भी कोई नई तकनीक आती है तो अपने साथ संभावनाओं के साथ ही चुनौतियां भी लेकर आती है। एआई के आने से जहां एक ओर कई काम आसान हो रहे हैं तो दूसरी तरफ कई नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। मीडिया इंडस्ट्री को देखें तो आज न्यूजरूम एआई के साथ काम कर रहे हैं। एआई के आने से डेटा एनालिसिस सहित कई और काम आसान हो गए हैं वहीं कंटेंट की विश्वसनीयता की चुनौतियां बढ़ी हैं। मिसइन्फर्मेशन और डिसइन्फर्मेशन जैसे खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। इसके चलते आज डिजिटल तकनीकों की बुनियादी समझ के साथ ही एआई लिटरेसी भी समाज की आवश्यकता है।

उक्त बातें एआई तथा फैक्ट चेकिंग के विशेषज्ञ वरिष्ठ और पत्रकार श्री प्रत्यूष रंजन जी ने कहीं। वे एमसीयू में एआई और डीपफेक विषय पर आयोजित मास्टर क्लास और कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे।

श्री प्रत्युष रंजन ने कहा कि

आज ह्यूमन इंटेलिजेंस के लिए एआई एक चुनौती जरूर है लेकिन हमेशा ह्यूमन इंटेलिजेंस ही आगे रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई के साथ कदमताल करते हुए अपने कार्यक्षेत्र के लिए तैयार रहने के लिए कहा। इस अवसर पर श्री रंजन ने डिजिटल टूल्स के माध्यम से न्यूज स्टोरीज पर काम करने, न्यूजरूम वर्कफ्लो को सुव्यवस्थित करने, कंटेंट प्लानिंग, वितरण और डेटा एनालिसिस जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कई फैक्ट चेकिंग और एआई टूल्स के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

एआई से बने फेक कंटेंट का पता लगाने के गुर सिखाए- कार्यशाला के दूसरे सत्र में पीटीआई के चीफ सब एडिटर ललित गौरव और आशीषा सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को एआई से बने फेक कंटेंट का पता लगाने के गुर सिखाए। उन्होंने कई फैक्ट चेकिंग टूल्स के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

पत्रकार एआई तकनीक अपनाएं : तिवारी

इस अवसर पर विषय प्रवर्तन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि मीडिया न्यूजरूम में एआई जैसी तकनीक के आने से बहुत कुछ बदल चुका है। इस माहौल में काम करने वाले पत्रकारों को इन महत्वपूर्ण बदलावों को समझते हुए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कुछ दशकों पहले जहां पत्रकारिता की दुनिया में भाषा और वर्तनी के लिए प्रूफरीडिंग होती थी वहीं आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हस्तक्षेप न्यूज इंडस्ट्री में हर तरफ बढ़ गया है। मीडिया में एआई और फैक्ट चैकिंग के क्षेत्रों में बहुत अधिक काम हो रहा है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'30 SEPTEMBER.2025

‘एआई साक्षरता’ समाज के लिए है आवश्यक : प्रत्यूष रंजन

एमसीयू में एआई और डीपफेक विषय पर मास्टर क्लास और कार्यशाला आयोजित

स्वदेश ज्योति संवाददाता , भोपाल

राजधानी स्थित एमसीयू में एआई और डीपफेक विषय पर मास्टर क्लास और कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते एआई तथा फैक्ट चेकिंग के विशेषज्ञ वरिष्ठ और पत्रकार प्रत्यूष रंजन ने कहा कि कई लोगों का मानना है कि आने वाले समय में एआई का प्रभाव हमारे समाज और जीवन पर पड़ेगा। जबकि वास्तविकता यह है कि एआई हमारे बीच में अपनी पैठ बना चुका है और वह रोज खुद को अपडेट भी कर रहा है। जब भी कोई नई तकनीक आती है तो अपने साथ संभावनाओं के साथ ही चुनौतियां भी लेकर आती है। एआई के आने से जहां एक ओर कई काम आसान हो रहे हैं तो दूसरी तरफ कई नई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। मीडिया इंडस्ट्री को देखें तो आज न्यूजरूम एआई के साथ काम कर रहे हैं। एआई के आने से डेटा एनालिसिस सहित कई और काम आसान हो गए हैं वहीं कंटेंट की विश्वसनीयता की चुनौतियां बढ़ी हैं। मिसइन्फर्मेशन और डिसइन्फर्मेशन जैसे खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। इसके चलते आज डिजिटल तकनीकों की बुनियादी समझ के साथ ही एआई लिटरेसी भी समाज की आवश्यकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर पी. शशिकला, सहित समस्त प्राध्यापक तथा विभागों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हस्तक्षेप न्यूज इंडस्ट्री में हर तरफ बढ़ गया : विजय मनोहर तिवारी

इस अवसर पर विषय प्रवर्तन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि मीडिया न्यूजरूम में एआई जैसी तकनीक के आने से बहुत कुछ बदल चुका है। इस माहौल में काम करने वाले पत्रकारों को इन महत्वपूर्ण बदलावों को समझते हुए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कुछ दशकों पहले जहां पत्रकारिता की दुनिया में भाषा और वर्तनी के लिए प्रूफरीडिंग होती थी, वहीं आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हस्तक्षेप न्यूज इंडस्ट्री में हर तरफ बढ़ गया है। मीडिया में एआई और फैक्ट चौकिंग के क्षेत्रों में बहुत अधिक काम हो रहा है।

वितरण और डेटा एनालिसिस जैसे विषयों पर भी हुई चर्चा

प्रत्युष रंजन ने कहा कि आज ह्यूमन इंटेलिजेंस के लिए एआई एक चुनौती जरूर है, लेकिन हमेशा ह्यूमन इंटेलिजेंस ही आगे रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई के साथ कदमताल करते हुए अपने कार्यक्षेत्र के लिए तैयार रहने के लिए कहा। इस अवसर पर रंजन ने डिजिटल टूल्स के माध्यम से न्यूज स्टोरीज पर काम करने, न्यूजरूम वर्कफ्लो को सुव्यवस्थित करने, कंटेंट प्लानिंग, वितरण और डेटा एनालिसिस जैसे विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कई फैक्ट चेकिंग और एआई टूल्स के बारे मे विद्यार्थियों को जानकारी दी।

विद्यार्थियों को एआई से बने फेक कंटेंट का पता लगाने के गुर सिखाए

कार्यशाला के दूसरे सत्र में पीटीआई के चीफ सब एडिटर ललित गौरव और आशीषा सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को एआई से बने फेक कंटेंट का पता लगाने के गुर सिखाए। उन्होंने कई फैक्ट चेकिंग टूल्स के बारे में विद्यार्थियों को बताया और उनका इस्तेमाल करना भी बताया। गौरव और आशीषा ने विद्यार्थियों को कई उदाहरणों के माध्यम से पीटीआई फैक्ट चेकिंग यूनिट की कार्यशैली से भी अवगत कराया। कार्यशाला के ये सत्र व्यवहारिक प्रशिक्षण पर केंद्रित थे। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपने लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन के जरिये कई फैक्ट चेकिंग टूल्स का उपयोग किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन तथा विशेषज्ञों का आभार विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पवित्र श्रीवास्तव ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM ‘MCNUJC LIBRARY
‘SWADESH JYOTY’30 SEPTEMBER.2025

एमसीयू: छात्रों ने सीखा फर्जी खबरों को कैसे जांचे

एआइ से काम हुआ आसान, लेकिन डीपफेक के दौर में लिटरेसी जरूरी

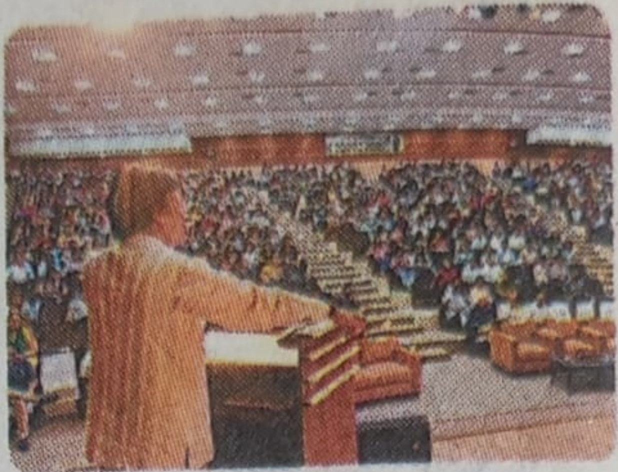

भोपाल @ पत्रिका. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) अब भविष्य की तकनीक नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन और कामकाज का अहम हिस्सा बन चुकी है। एआई ने जहां काम को आसान बनाया है, वहीं मिसइन्फॉर्मेशन और डीपफेक जैसी नई चुनौतियां भी सामने खड़ी कर दी हैं। यह बात एआई-फैक्ट चेकिंग विशेषज्ञ प्रत्यूष रंजन ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित मास्टर क्लास और कार्यशाला में कही। मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एआई ह्यूमन इंटेलिजेंस के लिए चुनौती जरूर है, लेकिन इंसानी सोच और विवेक हमेशा आगे रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे एआई को अपनाते हुए खुद को कार्यक्षेत्र की नई जरूरतों के अनुरूप तैयार करें। इस दौरान उन्होंने डिजिटल टूल्स के इस्तेमाल से न्यूजरूम वर्कफ्लो, कंटेंट प्लानिंग, डेटा एनालिसिस और फैक्ट चेकिंग जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता की दुनिया में एआइ का हस्तक्षेप अब हर तरफ नजर आता है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'30 SEPTEMBER.2025

हिंदी भारतीय आत्मा की अभिव्यक्ति का मंच

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजभाषा कार्यान्वयन समिति, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीआरपीएफ के डीआईजी और कवि एमके सिंह तथा विशिष्ट अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी थे। एमके सिंह ने कहा कि हिंदी महज भाषा नहीं, भारतीयों की अभिव्यक्ति का साझा मंच है। हमें अपनी भाषा पर गर्व करना चाहिए।

इस अवसर पर उन्होंने अपनी कविताओं के पाठ से पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि भाषा मनुष्य को जोड़ती है, इस तरह वह भेदभाव को समाप्त करती है। हिंदी भारत की आत्मा है और हम भारतीयों के लिए संयोजन का कार्य करती है। प्राचार्य प्रो. शिवकुमार गुप्ता ने कहा कि हमारा संस्थान हिंदी में शत-प्रतिशत कार्य करता है। इस अवसर पर दोनों अतिथियों को हिंदी साहित्यकार सम्मान से अलंकृत किया गया। साथ ही पखवाड़ा में भाग लेने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. अरुणाभ सौरभ ने किया।

सीआरपीएफ के डीआइजी को सम्मानित करते आयोजक। • सौजन्यः आयोजक

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'30 SEPTEMBER.2025

सीआरपीएफ डीआईजी सिंह का सम्मान

भोपाल, 29 सितंबर. राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह में कवि और सीआरपीएफ डीआईजी एमके सिंह एवं माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी को हिन्दी साहित्यकार सम्मान से सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर डीआईजी सिंह ने कहा कि हिन्दी महज भाषा नहीं, भारतीयों की अभिव्यक्ति का साझा मंच है. हमें अपनी भाषा पर गर्व करनी चाहिए. हिन्दी में निरंतर मौलिक कार्य हो रहे हैं, आवश्यकता है कि लोग अपने साहित्य से जुड़कर स्वयं संवेदनशील हों. इस दौरान सिंह ने कविता पाठ भी किया. पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु तिवारी और क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार गुप्ता ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. समारोह में पखवाड़ा में भाग लेने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम का संचालन डॉ अरुणाभ सौरभ और आभार प्रशासनिक अधिकारी महेश आसुदानी ने व्यक्त किया.

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVBHARAT'30 SEPTEMBER.2025

दैनिक भास्कर भोपाल 30-09-2025

कैंपस अपडेट

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान में हिंदी पखवाड़े का समापन, कविताओं से गूंजा समारोह

भोपाल| क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई) में सोमवार को हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीआरपीएफ डीआईजी एमके सिंह ने कहा कि हिंदी सिर्फ भाषा नहीं है, यह भारतीयों की अभिव्यक्ति का साझा मंच है। उन्होंने अपनी कविताओं से सभा को मंत्रमुग्ध किया। विशिष्ट अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि हिंदी भारत की आत्मा है और यह भेदभाव मिटाकर लोगों को जोड़ती है। प्राचार्य प्रो. शिवकुमार गुप्ता ने बताया कि संस्थान शत-प्रतिशत हिंदी में कार्य करता है। इस दौरान अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। समारोह में अधिकारी, शिक्षक-कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुणाभ सौरभ ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी महेश आसुदानी ने किया।